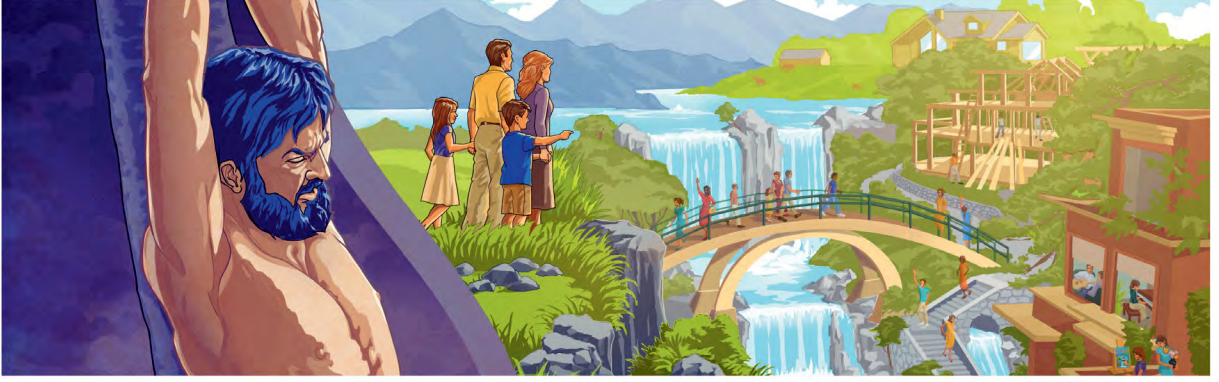


फिरौती—परमेश्वर का सबसे नायाब तोहफा (भाग 2)

बाइबल असल में क्या सिखाती है? के अध्याय 5 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

मकसद: जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।



यीशु की मौत हमारे लिए क्यों मायने रखती है?

1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

आपको क्या लगता है, लोग इसका क्या जवाब देंगे?

आप क्या मानते हैं?

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

2

जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

फिरौती से हमें कई फायदे हो सकते हैं।

(बाइबल सिखाती है किताब के अध्याय 5 के पैराग्राफ 14-17 देखें।)

कुलुस्सियों 1:13, 14 और इब्रानियों 9:13, 14 पढ़िए।

हमसे जो पाप हुए हैं, उस वजह से शायद हम खुद को बहुत दोषी मानते हों। ऐसे में फिरौती से हमें कैसे मदद मिलती है?

रोमियों 6:23 पढ़िए।

फिरौती की वजह से वफादार इंसान किस मायने में हमेशा के लिए फायदा पाएँगे?



हमें एक तोहफे से तभी फायदा होता है, जब हम उसे काम में लाते हैं। उसी तरह फिरौती से हमें तभी आशीर्ष मिलेंगी, जब हम ऐसे काम करेंगे जिससे यह पता चले कि हमें फिरौती पर विश्वास है

हमें ऐसे काम करने चाहिए, जिससे पता चले कि हमें फिरौती की कदर है।

(बाइबल सिखाती है किताब के अध्याय 5 के पैराग्राफ 18-22 देखें।)

यूहन्ना 17:3 और 1 यूहन्ना 5:3 पढ़िए।

अगर हमारे दिल में फिरौती के लिए कदर होगी, तो हम क्या करेंगे?

यूहन्ना 3:16 और याकूब 2:26 पढ़िए।

क्या सिर्फ इतना **कहना** काफी है कि हम यीशु के फिरौती बलिदान पर विश्वास करते हैं?

आप किन तरीकों से ज़ाहिर करना चाहते हैं कि आप फिरौती की कदर करते हैं?

3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

मुझे नहीं लगता, हज़ारों साल पहले हुई एक इंसान की मौत का आज मेरी ज़िंदगी से कोई नाता है।

आप उससे कह सकते हैं . . .

शायद बहुत-से लोग यही कहेंगे, पर मैं मानता हूँ कि यीशु की मौत हमारे लिए बहुत मायने रखती है, क्योंकि . . .

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप उसे यह आयत दिखाकर कैसे समझा सकते हैं?

अगर कोई कहे . . .

उद्धार पाने के लिए यीशु पर विश्वास करना बहुत ज़रूरी है।

आप उससे कह सकते हैं . . .

मेरा भी यही मानना है कि यीशु पर विश्वास करना ज़रूरी है। लेकिन मैं यह भी मानता हूँ कि सिर्फ विश्वास करना काफी नहीं है, क्योंकि . . .

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप उसे यह आयत दिखाकर कैसे समझा सकते हैं?
